भजन

तर्ज–कहीं ये वो तो नही

याद जब तेरी आती है तो दिल मचलता है
पिया मैं तेरी हुई

1–छुप के दिल मेरे में,तू ही तो सदा देता है
रूह का बुझता दिया,दिल में जला देता है
है ये तेरी ही सदा,है ये तेरी ही अदा

2–तेरी सूरत है निगाहों में, वही प्यारी सी
मेरी रग रग मे उठी,जाग वो चिंगारी सी
मिल गया इश्क तेरा,था वो जो हमसे छिपा

3–आप को देखा तो,मुझको है पिया ऐसा लगा
जैसे डूबी हुई कश्ती को ,किनारा है मिला
ना कहीं देखा ना सुना, जाम ये ऐसा पिया